पांच देशों को एविएशन, डिफेंस, फार्मा और ट्रैक्टर सेक्टर में निवेश का न्योता

पार्टनर कंट्रीज के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री ने की राउंड टेबल मीटिंग

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2) के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पार्टनर कंट्रीज के प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग की। सिंगापुर, वियतनाम, रूस, बेलारूस, जापान और ऑस्ट्रिया के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, निवेश के अवसर और विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

सीएम ने वियतनामी प्रतिनिधिमंडल को यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट फंक्शनल करने में सफलता मिली है और शीघ्र ही यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने लखनऊ, वाराणसी और नोएडा से हनोई तथा वियतनाम के अन्य प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई।

रूस को डिफेंस में अवसर : रूसी प्रतिनिधिमंडल से सीएम ने कहा कि रूसी कंपनियां पहले से उत्तर प्रदेश में इकाइयां स्थापित कर रही हैं। लखनऊ नोड में ब्रह्मोस की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित हो चुकी है। उन्होंने कानपुर में रूसी डिफेंस कंपनियों को इकाइयां लगाने का न्योता दिया। एके-203 राइफल का निर्माण भी उत्तर प्रदेश में हो रहा है। नोएडा में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क और बुंदेलखंड के फार्मा पार्क में रूसी निवेश तथा आरएंडडी सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया। ललितपुर के बल्क ड्रग पार्क में भी आरएंडडी निवेश का न्योता दिया गया।

बेलारूस की कंपनियों को ट्रैक्टर कंपनियों को प्रदेश में असेंबलिंग यूनिट लगाने का प्रस्ताव दिया गया। सहारनपुर और बिजनौर के लकड़ी उत्पादों को बेलारूस की आधुनिक वुड टेक्नोलॉजी से जोड़कर वैश्विक बाजार में पहचान मजबूत करने की बात भी कही गई।

जापान और सिंगापुर से सहयोग पर चर्चा : मुख्यमंत्री ने भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची और जेईटीआरओ इंडिया के चीफ डायरेक्टर जनरल दाइसाकु युकिता से आर्थिक व सांस्कृतिक सहयोग पर चर्चा की। सारनाथ और जापान के नारा प्रीफेक्चर के बीच साझा बौद्ध विरासत के आधार पर संबंधों को और मजबूत करने पर भी विचार हुआ। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रस्तावित सिंगापुर सिटी परियोजना की प्रगति पर चर्चा हुई। सिंगापुर सरकार ने परियोजना को आगे बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने में रुचि जताई।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में शामिल गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और अन्य मंत्री। -अमर उजाला

सोच मृत हो जाने पर देश का विकास दिखाई नहीं देता : अमित शाह

ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने आर्थिक विकास दर पर सवाल उठाने वाले विपक्ष पर निशाना साधा। नेता विपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना शाह ने कहा, कुछ वक्रदृष्टा जीडीपी के आंकड़ों पर सवाल उठाते रहते हैं। दुनियाभर में इतनी उथल-पुथल और अशांति के माहौल के बीच अनेक बाधाओं के बावजूद भारत की विकास दर 7.8 फीसदी है और यह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ रही है। जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था मृत लगती है, दरअसल उनकी अपनी सोच ही मृत हो चुकी है, इसलिए उन्हें देश का विकास दिखाई नहीं देता। शाह ने शुक्रवार को कहा, मूडीज ने विकास दर का अनुमान 6% से बढ़ाकर 7% कर दिया है। जापान की प्रमुख रेटिंग एजेंसी जेसीआर ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बीबीबी+ से अपग्रेड करके ए- तक पहुंचा दिया है। जुलाई में रिकॉर्ड 2.11 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ है। छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में 12.2 लाख करोड़ का निवेश हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में 2015 की तुलना में 11 गुना वृद्धि हुई है। शाह ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी ने जनता को 2047 में एक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प दिया है, उसे हम सिद्ध करेंगे। ब्यूरो

यूपी में बनी पहली मेक इन इंडिया स्ट्राइकर-फायर 9 एमएम पिस्तौल

अमर उजाला ब्यूरो

पॉलिमर बॉडी पिस्तौल का वजन करीब 700 ग्राम

पुलिस के लिए 9 एमएम की 15 राउंड पिस्तौल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 में देश में विकसित पहली घरेलू स्ट्राइकर-फायर पिस्तौल प्रदर्शित की जाएगी। ग्लॉक के पैटर्न पर विकसित यह पिस्तौल पूरी तरह स्ट्राइकर-फायर सिस्टम पर आधारित है। पॉलिमर बॉडी वाली पिस्तौल का वजन करीब 700 ग्राम है और यह विदेशी पिस्तौलों की तुलना में करीब 30 फीसदी तक सस्ती होगी। इसे लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर में कैमस्टार ग्रुप ने विकसित किया है।

कैमस्टार डिफेंस के निदेशक रिक्की स्याल के मुताबिक, सरकारी इस्तेमाल के लिए 9 एमएम संस्करण में 15 राउंड और सिविल इस्तेमाल के लिए .45 बोर संस्करण में नौ राउंड की क्षमता होगी। स्लाइड और बैरल धातु के, जबकि बेस व सपोर्ट स्ट्रक्चर पॉलिमर के होंगे। पिस्तौल का हैमर-लेस डिजाइन और हर शॉट में एक समान ट्रिगर पुल इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। इसमें बाहरी हथौड़े के बजाय स्प्रिंग-लोडेड फायरिंग पिन (स्ट्राइकर) होती है।

रनिया और लखनऊ में उत्पादन : कैमस्टार डिफेंस के उत्पादन संयंत्र कानपुर देहात के रनिया और लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर में हैं। लखनऊ प्लांट में करीब 125 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और यहां सालाना करीब 25 हजार पिस्तौल बनाने की क्षमता होगी। कंपनी इसे 100 फीसदी घरेलू पिस्तौल के रूप में पेश कर रही है। लखनऊ प्लांट में कैमशॉट आर्मर प्लेट्स नाम से सिरेमिक प्लेट भी बनाई जाएंगी। दो से 13 एमएम मोटाई वाली इन प्लेटों का इस्तेमाल बुलेटप्रूफ जैकेट और वाहनों में होगा। कंपनी के मुताबिक, डीआरडीओ की मदद से विकसित तकनीक पर आधारित प्लेटों का परीक्षण एके-47 और स्नाइपर राइफल की गोलियों के खिलाफ भी किया जा चुका है।